

श्री गणेशाय नमः

श्री अवधपत्ये नमः

# श्री रामनाम माला

पार ब्रह्म परात्पर

जै श्री राम

श्री साकेत सुख निद्रत

जै श्री राम

नारद ऋषि करि गायन

जै श्री राम

दमयन्ती नल चरितनि

जै श्री राम

सुनत श्रवण भरि चायन

जै श्री राम

लीला रचि रामायण

जै श्री राम

विधि शिव विष्णु विनय करि जै श्री राम

सूर्य के कुल मण्डन

जै श्री राम

श्रीयुत दशरथ नन्दन

जै श्री राम

कोशल्या सुख वर्धन

जै श्री राम

विश्वामित्र परम धन

जै श्री राम

घोर ताड़िका घातन

जै श्री राम

मारीचादि निपातन

जै श्री राम

अहिल्या शाप नशावन

जै श्री राम

नाविक मृदु पद धोवन

जै श्री राम

मिथिला पुर जन मोदन

जै श्री राम

पुष्प वाटिका दर्शन

जै श्री राम

प्रथम मिलन श्रीसीय राघव

जै श्री राम

शंकर धनुष विभंजन

जै श्री राम

श्री सीयावर आनन्द घन

जै श्री राम

परशुराम जय कारण

जै श्री राम

अगणित गुण गण भूषण

जै श्री राम

श्री भू तनया सुख दायन

जै श्री राम

द्वादश वर्ष अवध रहि  
दशरथ वचन गए बन  
पूर्ण चन्द्र समानन  
करि निषाद आलिंगन  
श्रंगवेरपुर त्यजन  
भारद्वाज सुख वर्धन  
चित्रकूट गिरि रंजन  
आए भरत मनावन  
पादुका निज किए अर्पन  
करि जयन्त चख भंजन  
आगे गए गहबर बन  
दुष्ट विराध विनाशन  
दण्डक बन करि पावन  
पंचवटी मन भावन  
गीध प्रीति करि बंधन

[illegible]

# सूपनखा नक नाशन

# खर दूषण मुख भंजन

# શ્રીજૂ અગ્નિ વિરાજન

# माया मृग मन मोहन

# छाया हरी शठ रावन

# ढूढत श्रीराम ओ लक्ष्मण

## जटायू का गति दायन

# शबरी बेर खबावन

# पंपासर अविलोकन

# निज पद सेवत हनुमन

## सुग्रीव संभाषन

# गिरिवत् बाली मर्दन

# मारुति लंका भेजन

रोदित श्रीराम लक्ष्मण

# શ્રીપારિથિવિ પ્રાણ અધારન



मंदोदरी सह वासिन	जै श्री राम
श्रीजू अग्नि परीक्षण	जै श्री राम
सदा मिलिया सीय राघव	जै श्री राम
विधि शिव इन्द्र करि वन्दन	जै श्री राम
आये दशरथ देखन	जै श्री राम
करि आशीश निमेषन	जै श्री राम
आये पुष्प विमानन	जै श्री राम
चित्रकूट करि दर्शन	जै श्री राम
भारद्वाज पग परिसन	जै श्री राम
गुह निषाद रतु रोवन	जै श्री राम
भरत भयो आनन्द घन	जै श्री राम
आये रघुकुल भूषण	जै श्री राम
घर घर आनन्द वधावन	जै श्री राम
आरती उतारी मातुनि	जै श्री राम

सकल प्रजा करि वन्दन  
श्रीभरत राम आलिंगन  
अभिषेकालंकृत तन  
श्रीसीय राम सिंघासन  
सकल जीव संरक्षण  
सप्त दीप महाराजन  
भक्तनि के भवभंजन  
श्रीदशरथ के कुल मंडन  
श्रीकौशल्या सुख वर्धन  
क्नक भवन सुखवासिन  
श्रीसरयू तीर विलासन  
श्रीमुख चन्द्र चकोरन  
कौशलपुर जस गायन  
अहंकार मारुति मन  
रिपुहन भरत लक्ष्मण

[illegible]

करि सत्संगति हनुमन  
वांछितप्रद सब भक्तनि  
राघव दई मुन्दरी मणि  
लोकालोक पठावन  
बुढिड़ी माई दर्शन

जै श्री राम  
जै श्री राम  
जै श्री राम  
जै श्री राम  
जै श्री राम

कूप भरा सब मुदिरियुनि  
हनुमन्त गर्व निवारण  
दासनि को सुख वर्धन  
श्रीराम राम जै सियाराम  
श्री राम राम जै राघव राम  
श्री राम राम जै लक्ष्मण राम

जै श्री राम  
जै श्री राम  
जै श्री राम  
जै श्री राम  
जै श्री राम  
जै श्री राम